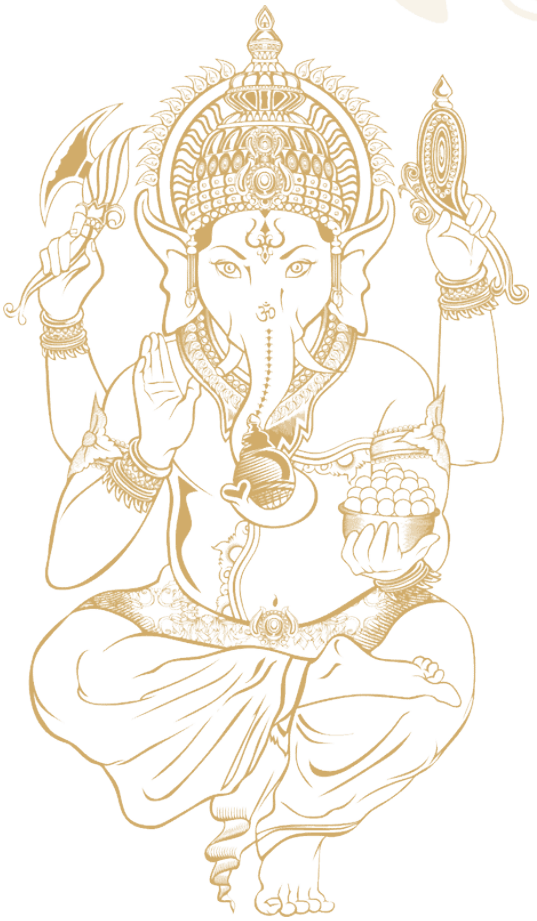

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121550002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/10/1986	जन्म तिथि	8-09/11/1986
बुध-गुरुवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 05:30:00	जन्म समय	01:45:00 घंटे
घटी 58:18:54	जन्म समय(घटी)	47:59:01 घटी
India	देश	India
Hathras	स्थान	Ayodhya
27:36:00 उत्तर	अक्षांश	26:47:00 उत्तर
78:02:00 पूर्व	रेखांश	82:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:52	स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:26	सूर्योदय	06:15:31
18:04:31	सूर्यास्त	17:14:15
23:40:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:40:18

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 6वर्ष 7मा 27दि	04:57:15	कन्या	लग्न	सिंह	21:45:05	चन्द्र 1वर्ष 0मा 9दि	
राहु	14:50:07	कन्या	सूर्य	तुला	22:27:34	गुरु	
30/05/2016	22:13:39	सिंह	चंद्र	मक	21:57:54	18/11/2012	
30/05/2034	02:36:36	मक	मंगल	मक	24:54:03	18/11/2028	
राहु 10/02/2019	03:24:02	तुला	बुध व	वृश्चि	02:09:55	गुरु 06/01/2015	
गुरु 05/07/2021	21:32:36	कुंभ व	गुरु	कुंभ	19:17:50	शनि 19/07/2017	
शनि 11/05/2024	23:23:48	तुला	शुक्र व	तुला	16:58:34	बुध 25/10/2019	
बुध 29/11/2026	11:47:25	वृश्चि	शनि	वृश्चि	15:31:34	केतु 30/09/2020	
केतु 17/12/2027	27:13:37	मीन व	राहु व	मीन	26:58:26	शुक्र 01/06/2023	
शुक्र 17/12/2030	27:13:37	कन्या व	केतु व	कन्या	26:58:26	सूर्य 19/03/2024	
सूर्य 11/11/2031	25:12:37	वृश्चि	हर्ष	वृश्चि	26:48:05	चन्द्र 19/07/2025	
चन्द्र 12/05/2033	09:26:59	धनु	नेप	धनु	10:10:13	मंगल 25/06/2026	
मंगल 30/05/2034	12:29:02	तुला	प्लूटो	तुला	13:58:41	राहु 18/11/2028	

लग्न-चलित

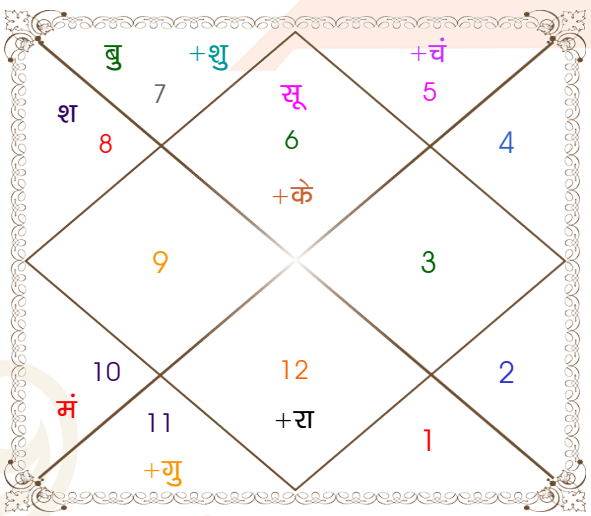

लग्न-चलित

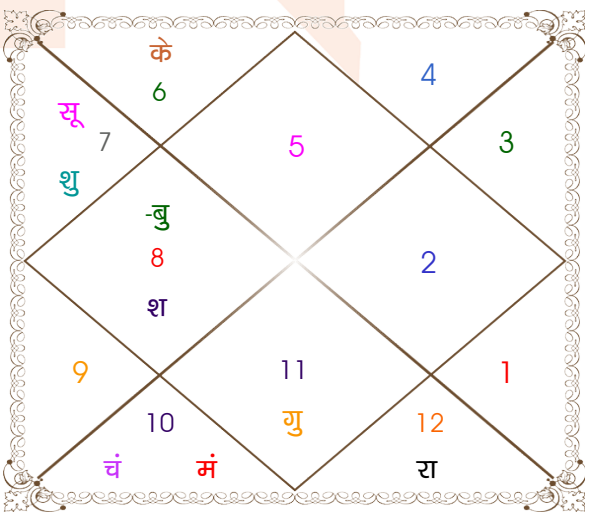

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।